

(b) Rights of Prisoners

कैदियों के अधिकार

(c) Constitutionality of Death sentence

मृत्यु दण्ड की संवैधानिकता

L/Sem II/160

**LL.M. (One Year) (Semester II)
Examination, 2014-15**

Law

(Optional Papers : 5 Criminal Law Group)

Penology and Victimology

Time : Three Hours

Full Marks : 100

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

Note: Answer any **four** questions. **All** questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. While defining punishment and describing salient features of punishment, discuss the relationship between criminology and penology.
दण्ड को परिभाषित करते हुये और दण्ड के चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन करते हुये अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र के बीच सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।
2. There are the various theories and justifications of punishment. Critically evaluate any one theory of punishment with suitable case law.

दण्ड के विभिन्न सिद्धान्त और औचित्य प्रतिपादन है। उपयुक्त वाद विनिश्चयों के माध्यम से किसी एक सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

3. "The recent judgments of supreme Court of India on commutation of Death sentence into life imprisonment is implied more towards de-facto abolition of Death sentence ." Write a critical note on Death sentence with reference to recent judicial interventions.

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मृत्युदण्ड को आजीवन कारावास में तब्दील करने वाले हाल के निर्णयों द्वारा मृत्यु दण्ड के तथ्यतः उन्मूलन कराने की ओर एक विवक्षित कदम है।" हाल के न्यायिक हस्तक्षेप के सन्दर्भ के साथ मृत्यु दण्ड पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिये।

4. Discuss in Detail the problems and prospects of jail administration in India.

भारत में जेल प्रशासन की समस्याओं एवं सम्भावनाओं की विस्तार से विवेचना कीजिए।

5. Term "victimology" is so wide to include not only the sufferers of crime but also the perpetrators. In the light of this statement discuss victimology in detail.

‘पीड़ितशास्त्र’ शब्द इतना विस्तृत है कि इसमें न केवल अपराध के पीड़ितों को वरन अपराधकर्ताओं को भी समाहित किया गया है।” इस कथन के आलोक में पीड़ित शास्त्र की विस्तार से विवेचना कीजिये।

6. What do you mean by probation of offenders ? How probation is different from parole ? Discuss.

अपराधियों की परिवीक्षा से आप क्या समझते हैं ? परिवीक्षा पेरोल से किस प्रकार भिन्न है ? विवेचना कीजिए।

7. With the help of relevant case laws discuss the compensatory theory of punishment.

उपयुक्त वाद-विनिश्चयों के माध्यम से दण्ड के क्षतिपूर्तिकारी सिद्धान्त की विवेचना कीजिये।

8. Write critical notes on any **two** of the following :
निम्न में से किन्हीं **दो** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये :
(a) Forms of punishment

दण्ड के स्वरूप